भरदे रे झोली श्याम | By Kumar Vijay

भर दे रे झोली श्याम होती है जग में हंसाई
तूने हारों की करी है सहाई
तूने हारों की करी है सहाई

झूठी है जग की रीत पुरानी
सच्चा श्याम मेरा शीश का दानी
तेरा हो तेरा श्याम मन में बसेरा
तेरे बिना ना होता मेरा सवेरा
जैसा भी हूँ अपना लो देता हूँ तेरी दुहाई
तूने हारों की करी है सहाई
तूने हारों की करी है सहाई

कबसे खड़ा हूँ तेरे द्वार पे आके
दुखो का दरिया अपने मन में छुपा के
तेरी चौखट पे आया करता क्यों देरी
तेरी छवि है श्याम आँखों में मेरी
कर दो न करदो श्याम अर्ज़ी पे मेरी सुनाई
तूने हारों की करी है सहाई
तूने हारों की करी है सहाई

प्रेमी बना के अपना जीना सिखाया
मिलना सिखाया तूने साथी बनाया
जो कुछ मिला है श्याम तुमसे मिला है
जबसे मिला हूँ मेरा जीवन खिला है
छोड़ ना देना श्याम होगी हमें कठिनाई
तूने हारों की करी है सहाई
तूने हारों की करी है सहाई

जन्मो का नाता है ये टूट ना जाए
मेरा सांवरिया मुझसे रूठ ना जाए
तेरा मेरा ये बंधन सदियों पुराना
महिमा को तेरी श्याम दुनिया ने माना
माहि भी जाता दर पे तुम भी चलो न बहनो भाई
तूने हारों की करी है सहाई
तूने हारों की करी है सहाई

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ad%e0%a4%b0%e0%a4%a6%e0%a5%87-%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%9d%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%80-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-by-kumar-vijay/